Act

Chapter 20

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

Μετὰ	δὲ	τὸ	παύσασθαι	τὸν	θόρυβον,	μεταπεμψάμενος	ὁ	Παῦλος	τοὺς
बाद	और-	–	थमने-के	–	हलचल	बुलाकर	–	पौलुस-ने	–
G3326	G1161	G3588	G3973	G3588	G2351	G3343	G3588	G3972	G3588

μαθητὰς,	καὶ	παρακαλέσας	ἀσπασάμενος,	ἐξῆλθεν	πορεύεσθαι	εἰς	Μακεδονίαν.
चेलों-को	और	उत्साहित-करके	गले-लगाकर	निकला	जाने-को	में	मकिदुनिया
G3101	G2532	G3870	G0782	G1831	G4198	G1519	G3109

> फिर इस उपद्रव के शांत हो जाने के बाद पौलुस ने यीशु के शिष्यों को बुलाया और उनका हौसला बढ़ाने के बाद उनसे विदा ले कर वह मकिदुनिया को चल दिया।

2

διελθὼν	δὲ	τὰ	μέρη	ἐκεῖνα,	καὶ	παρακαλέσας	αὐτοὺς	λόγῳ	πολλῷ,
होकर-गुज़रकर	और-	–	प्रदेशों	उन	और	उत्साहित-करके	उन्हें	वचन-से	बहुत
G1330	G1161	G3588	G3313	G1565	G2532	G3870	G0846	G3056	G4183

ἦλθεν	εἰς	τὴν	Ἑλλάδα.
आया	में	–	यूनान
G2064	G1519	G3588	G1671

> उस प्रदेश से होकर उसने यात्रा की और वहाँ के लोगों की उत्साह के अनेक वचन प्रदान किये। फिर वह यूनान आ गया।

3

ποιήσας	τε	μῆνας	τρεῖς,	γενομένης	ἐπιβουλῆς	αὐτῷ	ὑπὸ	τῶν	Ἰουδαίων,
रहकर	और-	महीने	तीन	होने-पर	षड्यंत्र	उस-के-विरुद्ध	द्वारा	–	यहूदियों-के
G4160	G5037	G3376	G5140	G1096	G1917	G0846	G5259	G3588	G2453

μέλλοντι	ἀνάγεσθαι	εἰς	τὴν	Συρίαν,	ἐγένετο	γνώμης	τοῦ	ὑποστρέφειν	διὰ	Μακεδονίας.
चाहते-हुए	जहाज़-से-जाने-को	में	–	सुरिया	हुआ	निर्णय	–	लौटने-का	होकर	मकिदुनिया
G3195	G0321	G1519	G3588	G4947	G1096	G1106	G3588	G5290	G1223	G3109

> वह वहाँ तीन महीने ठहरा और क्योंकि यहूदियों ने उसके विरुद्ध एक षड्यन्त्र रच रखा था। सो जब वह जल मार्ग से सीरिया जाने को ही था कि उसने निश्चय किया कि वह मकिदुनिया को लौट जाये।

4

συνείπετο	δὲ	αὐτῷ	Σώπατρος	Πύρρου,	Βεροιαῖος;	Θεσσαλονικέων	δὲ,
साथ-थे	और-	उस-के	सोपत्रुस	पुर्रुस-का	बेरिया-का	थिस्सलुनीकियों-में-से	और-
G4902	G1161	G0846	G4986	G4450	G0961	G2331	G1161

Ἀρίσταρχος	καὶ	Σεκοῦνδος;	καὶ	Γάϊος	Δερβαῖος	καὶ	Τιμόθεος;	Ἀσιανοὶ	δὲ,	Τυχικὸς
अरिस्तर्खुस	और	सिकुन्दुस	और	गायुस	देर्बे-का	और	तीमुथियुस	आसिया-के	और-	तुखिकुस
G0708	G2532	G4580	G2532	G1050	G1190	G2532	G5095	G0774	G1161	G5190

καὶ	Τρόφιμος.	
और	त्रुफिमुस	
G2532	G5161	

> बिरिया के पिरूस का बेटा सोपत्रुस, थिसलुनिकिया के रहने वाले अरिस्तर्खुस और सिकुन्दुस, दिरबे का निवासी गयूस और तिमुथियुस तथा एशियाई क्षेत्र के तुखिकुस और त्रुफिमुस उसके साथ थे।

5

οὗτοι	δὲ	προελθόντες,	ἔμενον	ἡμᾶς	ἐν	Τρῳάδι;
ये	और-	आगे-जाकर	ठहरे-रहे	हमारी	में	त्रोआस
G3778	G1161	G4281	G3306	G1473	G1722	G5174

ये लोग पहले चले गये थे और त्रोआस में हमारी परीक्षा कर रहे थे।

6

ἡμεῖς	δὲ	ἐξεπλεύσαμεν,	μετὰ	τὰς	ἡμέρας	τῶν	ἀζύμων,	ἀπὸ	Φιλίππων,
हम	और-	जहाज़-से-चले	बाद	–	दिनों	–	अखमीरी-रोटी-के	से	फिलिप्पुस
G1473	G1161	G1602	G3326	G3588	G2250	G3588	G0106	G0575	G5375

καὶ	ἤλθομεν	πρὸς	αὐτοὺς	εἰς	τὴν	Τρῳάδα;	ἄχρι	ἡμερῶν	πέντε,	ὅπου
और	आए	पास	उन-के	में	–	त्रोआस	तक	दिनों	पाँच	जहाँ
G2532	G2064	G4314	G0846	G1519	G3588	G5174	G0891	G2250	G4002	G3699

διετρίψαμεν	ἡμέρας	ἑπτά.
रहे	दिन	सात
G1304	G2250	G2033

बिना ख़मीर की रोटी के दिनों के बाद हम फिलिप्पी से नाव द्वारा चल पड़े और पाँच दिन बाद त्रोआस में उनसे जा मिले। वहाँ हम सात दिन तक ठहरे।

7

Ἐν	δὲ	τῇ	μιᾷ	τῶν	σαββάτων,	συνηγμένων	ἡμῶν	κλάσαι	ἄρτον,	ὁ
में	और-	–	पहले	–	सप्ताह-के	इकट्ठे-होने-पर	हमारे	तोड़ने-को	रोटी	–
G1722	G1161	G3588	G1520	G3588	G4521	G4863	G1473	G2806	G0740	G3588

Παῦλος	διελέγετο	αὐτοῖς,	μέλλων	ἐξιέναι	τῇ	ἐπαύριον;	παρέτεινέν	τε
पौलुस	वाद-विवाद-करता-था	उन-से	चाहते-हुए	जाने-को	–	अगले-दिन	बढ़ाता-रहा	और-
G3972	G1256	G0846	G3195	G1826	G3588	G1887	G3905	G5037

τὸν	λόγον	μέχρι	μεσονυκτίου.
–	वचन	तक	आधी-रात
G3588	G3056	G3360	G3317

सप्ताह के पहले दिन जब हम रोटी विभाजित करने के लिये आपस में इकट्ठे हुए तो पौलुस उनसे बातचीत करने लगा। उसे अगले ही दिन चले जाना था सो वह आधी रात तक बातचीत करता ही रहा।

8

ἦσαν	δὲ	λαμπάδες	ἱκαναὶ	ἐν	τῷ	ὑπερῴῳ,	οὗ	ἦμεν	συνηγμένοι.
थे	और-	दीपक	बहुत	में	–	अटारी	जहाँ	थे	इकट्ठे-हुए
G1510	G1161	G2985	G2425	G1722	G3588	G5253	G3757	G1510	G4863

सीढ़ीयों के ऊपर के कमरे में जहाँ हम इकट्ठे हुए थे, वहाँ बहुत से दीपक थे।

9

καθεζόμενος	δέ	τις	νεανίας,	ὀνόματι	Εὔτυχος,	ἐπὶ	τῆς	θυρίδος,
बैठा-हुआ	और-	कोई	युवक	नामक	यूतुखुस	पर	–	खिड़की
G2516	G1161	G5100	G3494	G3686	G2161	G1909	G3588	G2376

καταφερόμενος	ὕπνῳ	βαθεῖ,	διαλεγομένου	τοῦ	Παύλου	ἐπὶ	πλεῖον,
गहरी-नींद-में-डूबता-हुआ	नींद-से	गहरी	वाद-विवाद-करते-हुए	–	पौलुस-के	और-	अधिक
G2702	G5258	G0901	G1256	G3588	G3972	G1909	G4119

κατενεχθεὶς	ἀπὸ	τοῦ	ὕπνου,	ἔπεσεν	ἀπὸ	τοῦ	τριστέγου	κάτω,	καὶ	ἤρθη
डूबकर	से	–	नींद	गिरा	से	–	तीसरी-मंज़िल	नीचे	और	उठाया-गया
G2702	G0575	G3588	G5258	G4098	G0575	G3588	G5152	G2736	G2532	G0142

νεκρός.
मृत
G3498

वहीं युतुखुस नामक एक युवक खिड़की पर बैठा था वह गहरी नींद में डूबा था। क्योंकि पौलुस बहुत देर से बोले ही चला जा रहा था सो उसे गहरी नींद आ गयी थी। इससे वह तीसरी मंजिल से नीचे लुढ़क पड़ा और जब उसे उठाया तो वह मर चुका था।

10

καταβὰς	δὲ,	ὁ	Παῦλος	ἐπέπεσεν	αὐτῷ,	καὶ	συμπεριλαβὼν	εἶπεν,	Μὴ
उतरकर	और-	–	पौलुस	झुका	उस-पर	और	गले-लगाकर	कहा	न
G2597	G1161	G3588	G3972	G1968	G0846	G2532	G4843	G3004	G3361

θορυβεῖσθε;	ἡ	γὰρ	ψυχὴ	αὐτοῦ,	ἐν	αὐτῷ	ἐστιν.
घबराओ	–	क्योंकि-	प्राण	उस-का	में	उस-	है
G2350	G3588	G1063	G5590	G0846	G1722	G0846	G1510

पौलुस नीचे उतरा और उस से लिपट गया। उसे अपनी बाहों में ले कर उसने कहा, “घबराओ मत क्योंकि उसके प्राण अभी उसी में हैं।”

11

ἀναβὰς	δὲ,	καὶ	κλάσας	τὸν	ἄρτον,	καὶ	γευσάμενος,	ἐφ’	ἱκανόν	τε
चढ़कर	और-	और	तोड़कर	-	रोटी	और	खाकर	तक-	बहुत	और-
G0305	G1161	G2532	G2806	G3588	G0740	G2532	G1089	G1909	G2425	G5037

ὁμιλήσας	ἄχρι	αὐγῆς,	οὕτως	ἐξῆλθεν.
बातचीत-करके	तक	पौ	इस-तरह	निकला
G3656	G0891	G0827	G3779	G1831

फिर वह ऊपर चला गया और उसने रोटी को तोड़ कर विभाजित किया और उसे खाया। वह उनके साथ बहुत देर, पौ-फटे तक बातचीत करता रहा। फिर उसने उनसे विदा ली।

12

ἤγαγον	δὲ	τὸν	παῖδα	ζῶντα,	καὶ	παρεκλήθησαν	οὐ	μετρίως.
लाए	और-	-	लड़के-को	जीवित	और	शान्ति-पाए	नहीं	थोड़ी
G0071	G1161	G3588	G3816	G2198	G2532	G3870	G3756	G3357

उस जीवित युवक को वे घर ले आये। इससे उन्हें बहुत चैन मिला।

13

Ἡμεῖς	δὲ,	προελθόντες	ἐπὶ	τὸ	πλοῖον,	ἀνήχθημεν	ἐπὶ	τὴν	Ἄσσον,
हम	और-	आगे-जाकर	पर	-	जहाज़	चढ़े	की-ओर	-	अस्सुस
G1473	G1161	G4281	G1909	G3588	G4143	G0321	G1909	G3588	G0789

ἐκεῖθεν	μέλλοντες	ἀναλαμβάνειν	τὸν	Παῦλον.	οὕτως	γὰρ	διατεταγμένος,	ἦν	μέλλων
वहाँ-से	चाहते-हुए	लेने-को	-	पौलुस-को	इस-तरह	क्योंकि-	आदेश-दिया-हुआ	था	चाहते-हुए
G1564	G3195	G0353	G3588	G3972	G3779	G1063	G1299	G1510	G3195

αὐτὸς	πεζεύειν.
वह-स्वयं	पैदल-जाने-को
G0846	G3978

हम जहाज़ पर पहले ही पहुँच गये और अस्सुस को चल पड़े। वहाँ पौलुस को हमें जहाज़ पर लेना था। उसने ऐसी ही योजना बनायी थी। वह स्वयं पैदल आना चाहता था।

14

ὡς	δὲ	συνέβαλλεν	ἡμῖν	εἰς	τὴν	Ἄσσον,	ἀναλαβόντες	αὐτὸν,	ἤλθομεν
जब	और-	मिला	हमें	में	-	अस्सुस	लेकर	उसे	आए
G5613	G1161	G4820	G1473	G1519	G3588	G0789	G0353	G0846	G2064

εἰς	Μιτυλήνην;
में	मितुलीनी
G1519	G3412

वह जब अस्सुस में हमसे मिला तो हमने उसे जहाज़ पर चढ़ा लिया और हम मितेलेने को चल पड़े।

15

κἀκεῖθεν	ἀποπλεύσαντες,	τῇ	ἐπιούσῃ	κατηντήσαμεν	ἄντικρυς	Χίου.	τῇ	δὲ	ἑτέρᾳ
और-वहाँ-से	जहाज़-से-चलकर	-	अगले-दिन	पहुँचे	सामने	खियुस-के	-	और-	दूसरे
G2547	G0636	G3588	G1966	G2658	G0481	G5508	G3588	G1161	G2087

παρεβάλομεν	εἰς	Σάμον;	τῇ	δὲ	ἐχομένῃ	ἤλθομεν	εἰς	Μίλητον.
ठहरे	में	सामुस	-	और-	अगले	आए	में	मीलेतुस
G3846	G1519	G4544	G3588	G1161	G2192	G2064	G1519	G3399

दूसरे दिन वहाँ से चल कर हम खियुस के सामने जा पहुँचे और अगले दिन उस पार सामोस आ गये। फिर उसके एक दिन बाद हम मिलेतुस आ पहुँचे।

16

κεκρίκει	γὰρ	ὁ	Παῦλος	παραπλεῦσαι	τὴν	Ἔφεσον,	ὅπως	μὴ
निर्णय-किया-था	क्योंकि-	–	पौलुस-ने	होकर-चलना	–	इफिसुस-के-पास	ताकि	न
G2919	G1063	G3588	G3972	G3896	G3588	G2181	G3704	G3361

γένηται	αὐτῷ	χρονοτριβῆσαι	ἐν	τῇ	Ἀσίᾳ;	ἔσπευδεν	γὰρ,	εἰ	δυνατὸν
हो	उसे	समय-गंवाना	में	–	आसिया	जल्दी-करता-था	क्योंकि-	यदि	संभव
G1096	G0846	G5551	G1722	G3588	G0773	G4692	G1063	G1487	G1415

εἴη	αὐτῷ,	τὴν	ἡμέραν	τῆς	Πεντηκοστῆς	γενέσθαι	εἰς	Ἱεροσόλυμα.
हो	उसे	–	दिन	–	पिन्तेकुस्त-के	होना	में	यरूशलेम
G1510	G0846	G3588	G2250	G3588	G4005	G1096	G1519	G2414

> क्योंकि पौलुस जहाँ तक हो सके पिन्तेकुस्त के दिन तक यरूशलेम पहुँचने की जल्दी कर रहा था, सो उसने निश्चय किया कि वह इफ़िसुस में रुके बिना आगे चला जायेगा जिससे उसे एशिया में समय न बिताना पड़े।

17

Ἀπὸ	δὲ	τῆς	Μιλήτου,	πέμψας	εἰς	Ἔφεσον,	μετεκαλέσατο	τοὺς
से	और-	–	मीलेतुस	भेजकर	में	इफिसुस	बुलवाया	–
G0575	G1161	G3588	G3399	G3992	G1519	G2181	G3333	G3588

πρεσβυτέρους	τῆς	ἐκκλησίας.
प्राचीनों-को	–	कलीसिया-के
G4245	G3588	G1577

> उसने मिलेतुस से इफिसुस के बुजुर्गों और कलीसिया को संदेसा भेज कर अपने पास बुलाया।

18

ὡς	δὲ	παρεγένοντο	πρὸς	αὐτὸν,	εἶπεν	αὐτοῖς,	Ὑμεῖς	ἐπίστασθε,	ἀπὸ
जब	और-	आए	पास	उस-के	कहा	उन-से	तुम	जानते-हो	से
G5613	G1161	G3854	G4314	G0846	G3004	G0846	G4771	G1987	G0575

πρώτης	ἡμέρας	ἀφ’	ἧς	ἐπέβην	εἰς	τὴν	Ἀσίαν,	πῶς	μεθ’	ὑμῶν	τὸν
पहले	दिन-से	जब-से	जिस-	पैर-रखा	में	–	आसिया	कैसे	साथ	तुम्हारे	–
G4413	G2250	G0575	G3739	G1910	G1519	G3588	G0773	G4459	G3326	G4771	G3588

πάντα	χρόνον	ἐγενόμην,
सारे	समय	रहा
G3956	G5550	G1096

> उनके आने पर पौलुस ने उनसे कहा, “यह तुम जानते हो कि एशिया पहुँचने के बाद पहले दिन से ही हर समय मैं तुम्हारे साथ कैसे रहा हूँ

19

δουλεύων	τῷ	Κυρίῳ	μετὰ	πάσης	ταπεινοφροσύνης,	καὶ	δακρύων,	καὶ
सेवा-करते-हुए	–	प्रभु-की	साथ	सारी	दीनता	और	आँसू	और
G1398	G3588	G2962	G3326	G3956	G5012	G2532	G1144	G2532

πειρασμῶν,	τῶν	συμβάντων	μοι	ἐν	ταῖς	ἐπιβουλαῖς	τῶν	Ἰουδαίων;
परीक्षाओं	–	आनेवाली	मुझ-पर	में	–	षड्यंत्रों	–	यहूदियों-के
G3986	G3588	G4819	G1473	G1722	G3588	G1917	G3588	G2453

> और दीनतापूर्वक आँसू बहा-बहा कर यहूदियों के षड्यन्त्रों के कारण मुझ पर पड़ी अनेक परीक्षाओं में भी मैं प्रभु की सेवा करता रहा।

20

ὡς	οὐδὲν	ὑπεστειλάμην	τῶν	συμφερόντων,	τοῦ	μὴ	ἀναγγεῖλαι	ὑμῖν,	καὶ
कैसे	कुछ-नहीं	छिपाया	–	लाभदायक-बातों-में-से	–	न	बताने-का	तुम्हें	और
G5613	G3762	G5288	G3588	G4851	G3588	G3361	G0312	G4771	G2532

διδάξαι	ὑμᾶς	δημοσίᾳ	καὶ	κατ’	οἴκους,
सिखाने-का	तुम्हें	सार्वजनिक-रूप-से	और	अनुसार	घरों
G1321	G4771	G1219	G2532	G2596	G3624

> तुम जानते हो कि मैं तुम्हें तुम्हारे हित की कोई बात बताने से कभी हिचकिचाया नहीं। और मैं तुम्हें उन बातों का सब लोगों के बीच और घर-घर जा कर उपदेश देने में कभी नहीं झिझका।

21

διαμαρτυρόμενος	Ἰουδαίοις	τε	καὶ	Ἕλλησιν,	τὴν	εἰς	Θεὸν	μετάνοιαν,
गवाही-देते-हुए	यहूदियों	और-	और	यूनानियों-को	–	की-ओर	परमेश्वर	मन-फिराव
G1263	G2453	G5037	G2532	G1672	G3588	G1519	G2316	G3341

καὶ	πίστιν	εἰς	τὸν	Κύριον	ἡμῶν,	Ἰησοῦν	{Χριστόν}.
और	विश्वास	पर	–	प्रभु	हमारे	यीशू	मसीह
G2532	G4102	G1519	G3588	G2962	G1473	G2424	G5547

> यहूदियों और यूनानियों को मैं समान भाव से मन फिराव के परमेश्वर की तरफ़ मुड़ने को कहता रहा हूँ और हमारे प्रभु यीशु में विश्वास के प्रति उन्हें सचेत करता रहा हूँ।

22

καὶ	νῦν,	ἰδοὺ,	δεδεμένος	ἐγὼ	τῷ	πνεύματι,	πορεύομαι	εἰς	Ἰερουσαλήμ,
और	अब	देखो	बँधा-हुआ	मैं	–	आत्मा-में	जाता-हूँ	में	यरूशलेम
G2532	G3568	G3708	G1210	G1473	G3588	G4151	G4198	G1519	G2419

τὰ	ἐν	αὐτῇ	συναντήσοντά	μοι,	μὴ	εἰδώς;
–	में	उस-	घटनेवाली	मुझ-से	न	जानते-हुए
G3588	G1722	G0846	G4876	G1473	G3361	G1492

> “और अब पवित्र आत्मा के अधीन होकर मैं यरूशलेम जा रहा हूँ। मैं नहीं जानता वहाँ मेरे साथ क्या कुछ घटेगा।

23

πλὴν	ὅτι	τὸ	Πνεῦμα	τὸ	Ἅγιον	κατὰ	πόλιν	διαμαρτύρεταί	μοι,	λέγον
केवल	कि	–	आत्मा	–	पवित्र	प्रति	नगर	गवाही-देता-है	मुझे	कहते-हुए
G4133	G3754	G3588	G4151	G3588	G0040	G2596	G4172	G1263	G1473	G3004

ὅτι	δεσμὰ	καὶ	θλίψεις	με	μένουσιν.
कि	बन्धन	और	क्लेश	मुझे	प्रतीक्षा-करते-हैं
G3754	G1199	G2532	G2347	G1473	G3306

> मैं तो बस इतना जानता हूँ कि हर नगर में पवित्र आत्मा यह कहते हुए मुझे सचेत करती रहती है कि बंदीगृह और कठिनताएँ मेरी प्रतीक्षा कर रही हैं।

24

ἀλλ’	οὐδενὸς	λόγου	ποιοῦμαι	τὴν	ψυχὴν	τιμίαν	ἐμαυτῷ,	ὡς	τελειῶσαι
परन्तु	किसी-भी	बात-की	गिनती-नहीं-करता	–	प्राण	बहुमूल्य	अपने-लिए	ताकि	पूरा-करूँ
G0235	G3762	G3056	G4160	G3588	G5590	G5093	G1683	G5613	G5048

τὸν	δρόμον	μου,	καὶ	τὴν	διακονίαν	ἣν	ἔλαβον	παρὰ	τοῦ	Κυρίου	Ἰησοῦ,
–	दौड़	अपनी	और	–	सेवा	जो	पाई	से	–	प्रभु	यीशू
G3588	G1408	G1473	G2532	G3588	G1248	G3739	G2983	G3844	G3588	G2962	G2424

διαμαρτύρασθαι	τὸ	εὐαγγέλιον	τῆς	χάριτος	τοῦ	Θεοῦ.
गवाही-देने-को	–	सुसमाचार	–	अनुग्रह	–	परमेश्वर-के
G1263	G3588	G2098	G3588	G5485	G3588	G2316

> किन्तु मेरे लिये मेरे प्राणों का कोई मूल्य नहीं है। मैं तो बस उस दौड़ धूप और उस सेवा को पूरा करना चाहता हूँ जिसे मैंने प्रभु यीशु से ग्रहण किया है वह है — परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार की साक्षी देना।

25

καὶ	νῦν,	ἰδοὺ,	ἐγὼ	οἶδα	ὅτι	οὐκέτι	ὄψεσθε	τὸ	πρόσωπόν	μου,	ὑμεῖς
और	अब	देखो	मैं	जानता-हूँ	कि	और-नहीं	देखोगे	–	मुख	मेरा	तुम
G2532	G3568	G3708	G1473	G1492	G3754	G3765	G3708	G3588	G4383	G1473	G4771

πάντες,	ἐν	οἷς	διῆλθον	κηρύσσων	τὴν	βασιλείαν.
सब	में	जिन-	होकर-गुज़रा	प्रचार-करते-हुए	–	राज्य
G3956	G1722	G3739	G1330	G2784	G3588	G0932

> “और अब मैं जानता हूँ कि तुममें से कोई भी, जिनके बीच मैं परमेश्वर के राज्य का प्रचार करता फिरा, मेरा मुँह आगे कभी नहीं देख पायेगा।

26

διότι	μαρτύρομαι	ὑμῖν	ἐν	τῇ	σήμερον	ἡμέρᾳ,	ὅτι	καθαρός	εἰμι	ἀπὸ
इसलिए	गवाही-देता-हूँ	तुम्हें	में	–	आज-के	दिन	कि	शुद्ध	हूँ	से
G1360	G3143	G4771	G1722	G3588	G4594	G2250	G3754	G2513	G1510	G0575

τοῦ	αἵματος	πάντων,
–	लहू	सब-के
G3588	G0129	G3956

इसलिये आज मैं तुम्हारे सामने घोषणा करता हूँ कि तुममें से किसी के भी खून का दोषी मैं नहीं हूँ।

27

οὐ	γὰρ,	ὑπεστειλάμην	τοῦ	μὴ	ἀναγγεῖλαι	πᾶσαν	τὴν	βουλὴν	τοῦ
नहीं	क्योंकि-	छिपाया	–	न	बताने-का	सारी	–	योजना	–
G3756	G1063	G5288	G3588	G3361	G0312	G3956	G3588	G1012	G3588

Θεοῦ	ὑμῖν.
परमेश्वर-की	तुम्हें
G2316	G4771

क्योंकि मैं परमेश्वर की सम्पूर्ण इच्छा को तुम्हें बताने में कभी नहीं हिचकिचाया हूँ।

28

προσέχετε	ἑαυτοῖς	καὶ	παντὶ	τῷ	ποιμνίῳ,	ἐν	ᾧ	ὑμᾶς	τὸ	Πνεῦμα
ध्यान-रखो	अपने-आप-का	और	सारे	–	झुण्ड-का	में	जिस-	तुम्हें	–	आत्मा
G4337	G1438	G2532	G3956	G3588	G4168	G1722	G3739	G4771	G3588	G4151

τὸ	Ἅγιον	ἔθετο	ἐπισκόπους,	ποιμαίνειν	τὴν	ἐκκλησίαν	τοῦ	Θεοῦ,	ἣν
–	पवित्र-ने	ठहराया	अध्यक्ष	चराने-को	–	कलीसिया-को	–	परमेश्वर-की	जिसे
G3588	G0040	G5087	G1985	G4165	G3588	G1577	G3588	G2316	G3739

περιεποιήσατο	διὰ	τοῦ	αἵματος	τοῦ	ἰδίου.
मोल-लिया	द्वारा	–	लहू	–	अपने
G4046	G1223	G3588	G0129	G3588	G2398

अपनी और अपने समुदाय की रखवाली करते रहो। पवित्र आत्मा ने उनमें से तुम्हें उन पर दृष्टि रखने वाला बनाया है ताकि तुम परमेश्वर की उस कलीसिया का ध्यान रखो जिसे उसने अपने रक्त के बदले मोल लिया था।

29

ἐγὼ	οἶδα	ὅτι	εἰσελεύσονται	μετὰ	τὴν	ἄφιξίν	μου,	λύκοι	βαρεῖς,	εἰς
मैं	जानता-हूँ	कि	आएँगे	बाद	–	जाने-के	मेरे	भेड़िये	भारी	में
G1473	G1492	G3754	G1525	G3326	G3588	G0867	G1473	G3074	G0926	G1519

ὑμᾶς,	μὴ	φειδόμενοι	τοῦ	ποιμνίου,
तुम्हारे	न	छोड़नेवाले	–	झुण्ड-को
G4771	G3361	G5339	G3588	G4168

मैं जानता हूँ कि मेरे विदा होने के बाद हिंसक भेड़िये तुम्हारे बीच आयेंगे और वे इस भोले-भाले समूह को नहीं छोड़ेंगे।

30

καὶ	ἐξ	ὑμῶν	αὐτῶν,	ἀναστήσονται	ἄνδρες	λαλοῦντες	διεστραμμένα,	τοῦ
और	से	तुम्हारे	स्वयं-	उठेंगे	पुरुष	बोलनेवाले	टेढ़ी-बातें	–
G2532	G1537	G4771	G0846	G0450	G0435	G2980	G1294	G3588

ἀποσπᾶν	τοὺς	μαθητὰς	ὀπίσω	ἑαυτῶν.
खींचने-को	–	चेलों-को	पीछे	अपने
G0645	G3588	G3101	G3694	G1438

यहाँ तक कि तुम्हारे अपने बीच में से ही ऐसे लोग भी उठ खड़े होंगे, जो शिष्यों को अपने पीछे लगा लेने के लिए बातों को तोड़-मरोड़ कर कहेंगे।

31

διὸ	γρηγορεῖτε,	μνημονεύοντες	ὅτι	τριετίαν,	νύκτα	καὶ	ἡμέραν,	οὐκ
इसलिए	जागते-रहो	याद-करते-हुए	कि	तीन-वर्ष	रात	और	दिन	नहीं
G1352	G1127	G3421	G3754	G5148	G3571	G2532	G2250	G3756

ἐπαυσάμην	μετὰ	δακρύων	νουθετῶν	ἕνα	ἕκαστον.
रुका	साथ	आँसू-के	चेतावनी-देते-हुए	एक	एक-को
G3973	G3326	G1144	G3560	G1520	G1538

इसलिये सावधान रहना। याद रखना कि मैंने तीन साल तक एक एक को दिन रात रो रो कर सचेत करना कभी नहीं छोड़ा था।

32

καὶ	τὰ	νῦν	παρατίθεμαι	ὑμᾶς,	τῷ	θεῷ,	καὶ	τῷ	λόγῳ	τῆς
और	–	अब	सौंपता-हूँ	तुम्हें	–	परमेश्वर-को	और	–	वचन-को	–
G2532	G3588	G3568	G3908	G4771	G3588	G2316	G2532	G3588	G3056	G3588

χάριτος	αὐτοῦ,	τῷ	δυναμένῳ	οἰκοδομῆσαι	καὶ	δοῦναι	τὴν	κληρονομίαν	ἐν
अनुग्रह	उस-के	जो-	समर्थ-है	निर्माण-करने-को	और	देने-को	–	विरासत	में
G5485	G0846	G3588	G1410	G3618	G2532	G1325	G3588	G2817	G1722

τοῖς	ἡγιασμένοις	πᾶσιν.
–	पवित्र-किए-हुओं-सब	सब-को
G3588	G0037	G3956

> “अब मैं तुम्हें परमेश्वर और उसके सुसंदेश के अनुग्रह के हाथों सौंपता हूँ। वही तुम्हारा निर्माण कर सकता है और तुम्हें उन लोगों के साथ जिन्हें पवित्र किया जा चुका है, तुम्हारा उत्तराधिकार दिला सकता है।

33

ἀργυρίου	ἢ	χρυσίου	ἢ	ἱματισμοῦ	οὐδενὸς	ἐπεθύμησα.
चाँदी	या	सोने	या	वस्त्र	किसी-के	ललचाया-नहीं
G0694	G2228	G5553	G2228	G2441	G3762	G1937

> मैंने कभी किसी के सोने-चाँदी या वस्त्रों की अभिलाषा नहीं की।

34

αὐτοὶ	γινώσκετε	ὅτι	ταῖς	χρείαις	μου,	καὶ	τοῖς	οὖσιν	μετ’	ἐμοῦ,
स्वयं	जानते-हो	कि	–	आवश्यकताओं-को	मेरी	और	–	होनेवालों-की	साथ	मेरे
G0846	G1097	G3754	G3588	G5532	G1473	G2532	G3588	G1510	G3326	G1473

ὑπηρέτησαν	αἱ	χεῖρες	αὗται.
सेवा-कीं	–	हाथों-ने	इन
G5256	G3588	G5495	G3778

> तुम स्वयं जानते हो कि मेरे इन हाथों ने ही मेरी और मेरे साथियों की आवश्यकताओं को पूरा किया है।

35

πάντα	ὑπέδειξα	ὑμῖν,	ὅτι	οὕτως	κοπιῶντας	δεῖ	ἀντιλαμβάνεσθαι	τῶν
सब	दिखाया	तुम्हें	कि	इस-तरह	परिश्रम-करके	ज़रूरी-है	सहायता-करना	–
G3956	G5263	G4771	G3754	G3779	G2872	G1163	G0482	G3588

ἀσθενούντων,	μνημονεύειν	τε	τῶν	λόγων	τοῦ	Κυρίου	Ἰησοῦ	ὅτι	αὐτὸς
कमज़ोरों-की	याद-रखना	और-	–	वचनों-को	–	प्रभु	यीशू-के	कि	उसी-ने
G0770	G3421	G5037	G3588	G3056	G3588	G2962	G2424	G3754	G0846

εἶπεν,	Μακάριόν	ἐστιν	μᾶλλον,	διδόναι	ἢ	λαμβάνειν.
कहा	धन्य	है	अधिक	देना	बजाय	लेने-के
G3004	G3107	G1510	G3123	G1325	G2228	G2983

> मैंने अपने हर कर्म से तुम्हें यह दिखाया है कि कठिन परिश्रम करते हुए हमें निर्बलों की सहायता किस प्रकार करनी चाहिये और हमें प्रभु यीशु का वह वचन याद रखना चाहिये जिसे उसने स्वयं कहा था, ‘लेने से देने में अधिक सुख है।’”

36

καὶ	ταῦτα	εἰπὼν,	θεὶς	τὰ	γόνατα	αὐτοῦ,	σὺν	πᾶσιν	αὐτοῖς	προσηύξατο.
और	ये-बातें	कहकर	रखकर	–	घुटने	अपने	साथ	सब	उन-	प्रार्थना-की
G2532	G3778	G3004	G5087	G3588	G1119	G0846	G4862	G3956	G0846	G4336

> यह कह चुकने के बाद वह उन सब के साथ घुटनों के बल झुका और उसने प्रार्थना की।

37

ἱκανὸς	δὲ	κλαυθμὸς	ἐγένετο	πάντων;	καὶ	ἐπιπεσόντες	ἐπὶ	τὸν	τράχηλον
बड़ा	और-	रोना	हुआ	सब-का	और	गिरकर	पर	–	गर्दन
G2425	G1161	G2805	G1096	G3956	G2532	G1968	G1909	G3588	G5137

τοῦ	Παύλου,	κατεφίλουν	αὐτόν,
–	पौलुस-की	चूमते-रहे	उसे
G3588	G3972	G2705	G0846

> हर कोई फूट फूट कर रो रहा था। गले मिलते हुए वे उसे चूम रहे थे। उसने जो यह कहा था कि वे उसका मुँह फिर कभी नहीं देखेंगे, इससे लोग बहुत अधिक दुःखी थे। फिर उन्होंने उसे सुरक्षा पूर्वक जहाज़ तक पहुँचा दिया।

38

ὀδυνώμενοι	μάλιστα	ἐπὶ	τῷ	λόγῳ	ᾧ	εἰρήκει,	ὅτι	οὐκέτι	μέλλουσιν	τὸ
दुखी	विशेषकर	पर	–	वचन	जो–	कहा–था	कि	और–नहीं	होनेवाले–हैं	–
G3600	G3122	G1909	G3588	G3056	G3739	G2046	G3754	G3765	G3195	G3588

πρόσωπον	αὐτοῦ	θεωρεῖν.	προέπεμπον	δὲ	αὐτὸν	εἰς	τὸ	πλοῖον.
मुख	उस–का	देखना	पहुँचा–गया	और–	उसे	में	–	जहाज़
G4383	G0846	G2334	G4311	G1161	G0846	G1519	G3588	G4143

> हर कोई फूट फूट कर रो रहा था। गले मिलते हुए वे उसे चूम रहे थे। उसने जो यह कहा था कि वे उसका मुँह फिर कभी नहीं देखेंगे, इससे लोग बहुत अधिक दुःखी थे। फिर उन्होंने उसे सुरक्षा पूर्वक जहाज़ तक पहुँचा दिया।